स्वामी चिदानन्द जन्म शताब्दी महोत्सव
राज्य स्तरीय कार्यक्रम

ओडिशा

दिव्य जीवन संघ, शिवानन्द सेवाग्राम चैरिटेबल सोसायटी (अनगुल जिले की डिवाइन लाइफ सोसायटी की समस्त शाखाओं द्वारा प्रबन्धित) निर्धनों एवं जरूरतमन्दों के लिए अत्यन्त सफलतापूर्वक अपनी सेवाएँ, गहम, अनगुल में स्थित चिदानन्द सैन्टेनरी चैरिटेबल डिस्पेंसरी के माध्यम से दे रही है। मई २०१५ में लगभग ५६४ निर्धन रोगियों का निःशुल्क परीक्षण किया गया एवं औषधियाँ भी दी गयीं। डा. आर. एन. पण्डा, डा. आर. सी. सत्पथी (होमियोपैथी), फार्मासिस्ट श्री श्वेताम्बर प्रधान, श्री हनुमान बहेरा तथा श्री हिमांशु पानी

द्वारा इस डिस्पेंसरी के माध्यम से रोगियों को सेवाएँ दी गयीं।

स्वामी चिदानन्द जन्म शताब्दी महोत्सव के तत्त्वावधान में समिति द्वारा २५ से ३० मई तक विद्यार्थियों के लिए व्यक्तित्व विकास शिविर आयोजित किया गया। छह दिवसीय शिविर में विभिन्न महाविद्यालयों के लगभग १०० विद्यार्थियों ने भाग लिया। शिविर की गतिविधियों में प्रातःकालीन ध्यान, आसन, प्राणायाम; विद्वानों द्वारा प्रवचन तथा सायंकालीन सत्संग आयोजित किये गये। श्री स्वामी धर्मनिष्ठानन्द जी, श्री स्वामी शिवचिदानन्द जी, श्री स्वामी जगन्नाथानन्द जी, ब्रह्मचारी विश्वम्बर जी, श्री दिलीप कुमार

ओट्टाजी, श्री रजत कुमार प्रधान जी, श्री आर. एन. पण्डा जी, श्री मदनमोहन पण्डा जी, श्री धनंजय सेन जी, और श्री बिमल कृष्ण समालजी ने विद्यार्थियों को राजयोग, भक्तियोग, श्रीमद्भगवद्गीता, स्वास्थ्य और स्वच्छता, इत्यादि विषयों पर तथा सद्गुरुदेव श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज तथा परम पूज्य श्री स्वामी चिदानन्द जी महाराज की शिक्षाओं पर प्रवचन दिये।

पुण्य-कर्मों के द्वारा सुख तथा पाप-कर्मों के द्वारा दुःख होता है। कर्मों के फल अवश्यमेव मिलते हैं। कर्म के बिना कोई भी फल नहीं मिलता। सदाचार ही ईश्वर के चरण-कमलों की प्राप्ति का आश्रय है। सदाचार के द्वारा सब-कुछ प्राप्त किया जा सकता है।

मन, वचन तथा कर्म से किसी प्राणी की हिंसा न करें। दयालु तथा दानशील बनें। अपने विचारों में उदार बनें। सतत सत्यपरायण रहें। क्रोध, घृणा तथा द्वेष से मुक्त रहें।

अपने गुरुओं तथा गुरु जनों के प्रति आदर तथा भक्ति रखें। श्रद्धा एवं सच्चाई के साथ देवों की पूजा करें। कपटी लोगों के प्रति विनम्र रहें। आप इस लोक तथा परलोक में बहुत यश और पुण्य भोगेंगे।

स्वामी शिवानन्द